दिनांक

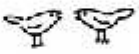

बूझो पहेली

1. बादल लेकर उड़ती हूं
नहीं किसी को दिखती हूं
हर सांस में सबके आती,
फिर भी किसी को नज़र न आती।

2. आसमान से टपका हूं
न बाज़ार में बिकता हूं
ज़्यादा देर न टिकता हूं,
जल्दी से मुझको थामो
नहीं तो बस पानी मानो।

3. पैरों से वह भोजन करता
पीये पैर से पानी
एक जगह ही खड़ा साल भर
ऐसा कौन वह ध्यानी?

4. जब मैं जाऊं किसी के घर
बिन देखे वह कांपे थर-थर

5. समय काटती चलती है
काम बांटती चलती है
चेत कराती चलती है
कभी कहीं न जाती है।

6. दुम मुंह छोटा एक मुंह बड़ा
आधा मानुस लीले खड़ा
बीचों-बीच लगावे फांसी
नाम सुनो तो आवे हांसी।

अपनी तरह से लिखो

1. हवा बादल लेकर उड़ती है। वह किसी को दिखाई नहीं देती। वह सबके हर सांस में आती है।
2. --
3. --
4. --
5. --
6. --

दिनांक

पेड़म - पेड़

नीम कहे सागौन से
तू कैसा है पेड़
महीनों तक तू खड़ा रहे
सारे पत्ते गेर।

सागौन बोला नीम से
तू हरी भरी हर बेर
तुझसे पत्ते झरें साल भर
मुझसे एक ही बेर।

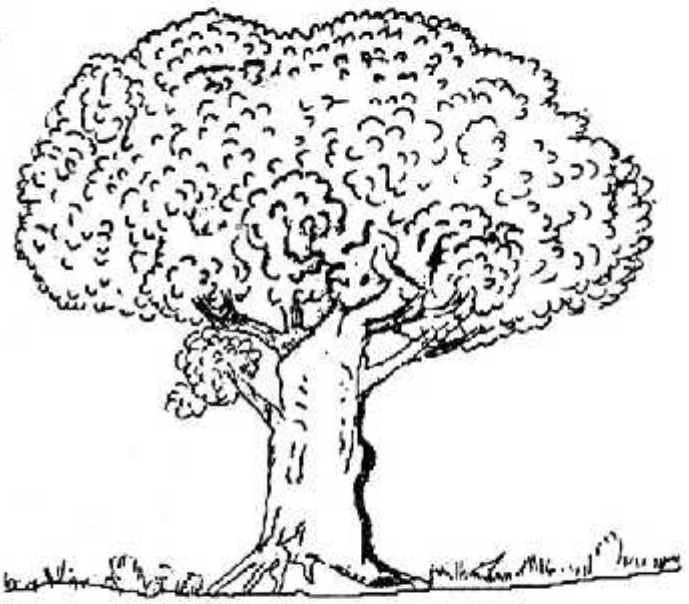

सागौन के पत्ते एक मौसम में पूरे झड़ जाते हैं।
और किन-किन पेड़ों के पत्ते एक मौसम में पूरे झड़ जाते हैं?

_____ _____ _____
_____ _____ _____

नीम की तरह और किन-किन पेड़ों में साल भर हरे पत्ते रहते हैं?

_____ _____ _____
_____ _____ _____

शब्द सीखो

सेर, बेर, शेर, ____ ____ ____ ____

शब्द	किस शब्द के बदले
गेर	गिरा
बेर	बार
झरें	झड़ें

अपनी कॉपी में लिखो

लोग सागौन के पत्ते का क्या-क्या करते हैं?
नीम की पत्ती का लोग क्या-क्या करते हैं?
नीम व सागौन के पेड़ में क्या-क्या अंतर हैं?

छोटी पत्ती -बड़ी पत्ती-2

बाहर से तरह-तरह की पत्तियां लाओ। छोटी पत्ती और बड़ी पत्ती और लम्बी पत्ती,नई पत्ती और बूढ़ी पत्ती। सब तरह की पत्तियां लाओ। नीम की,घिरीया या इमली की १५-१५ पत्तियां ले आना।

कक्षा मे लाकर हर पौधे की सबसे बड़ी पत्ती छांट लो।
अब इन पत्तियों को जमाओ। बड़ी पत्ती से शुरू करके छोटी की तरफ। क्रम से,यानी बड़ी से शुरू कर छोटी की तरफ इनके नाम लिखो।

_____ _____ _____ _____

सबसे बड़ी पत्ती(यानी क्रमांक-1) अपने सामने रखो।
उसपर नीम की पत्तियां जमाओ। सबसे बड़ी पत्ती पर नीम की कितनी पत्तियां आई? ——
अब बाकी की पत्तियों को देखो और बताओ कि दूसरे नम्बर की पत्ती (यानी क्रमांक-२) पर नीम की पत्ती ज्यादा आएगी या कम?
नीम की पत्तियों को पत्ती क्रमांक-2 पर जमाकर देखो? कितनी ज्यादा या कम आई?
बाकी सभी पत्तियो पर भी जमाकर देखो और नीचे भरो।

पत्ती क्रमांक	पेड़/ पौधे का नाम	कितनी पत्ती नीम की आई?
1.	_____	_____ पत्तियां नीम की
2.	_____	_____ पत्तियां नीम की
3.	_____	_____ पत्तियां नीम की
4.	_____	_____ पत्तियां नीम की
5.	_____	_____ पत्तियां नीम की

नीम के अलावा एक और पत्ती लो,जैसे- घिरिया या इमली की। उसे भी जमाकर गिनो कि कितनी पत्तियां आती हैं?

चित्र बनाओ नाम लिखो

इस पन्ने पर हमने उन चित्रों को बनाया है, जिन्हें तुम अपने-आसपास या कक्षा में चित्रकार्ड पर देखा होगा। यहां कुछ ही चित्र बनाए हैं। बाकी खाली खानों में तुम्हें चित्र बनाना है। चित्र के साथ उसका नाम भी लिखना है। मदद के लिए चाहो तो बहनजी/गुरूजी से बड़े चित्र कार्ड ले सकते हो। चित्र कार्ड से चित्र की नकल नहीं करना है। चित्र कार्ड में से नाम देखो और चित्र मन से बनाओ।

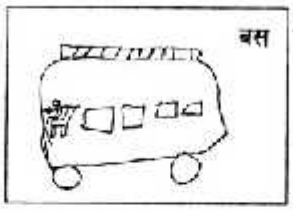
बस

बिल्ली

ऊंट

लड़की

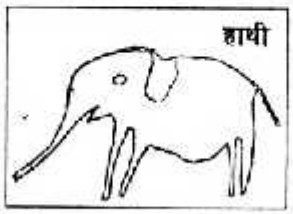
हाथी

खरगोश

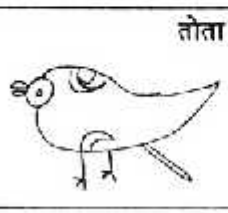
तोता

दिनांक

बिल्ली और ------

इस खेल को शुरु करने से पहले चार्ट पर लिखे नामों की पर्ची बना लो। पर्ची पर वे ही नाम लिखने हैं जो चार्ट पर लिखे हैं। जैसे- 1. बिल्ली 6. कहाँ 5. कहा चार्ट पर कुल 23 नाम हैं तो तुम्हें 23 नाम वाली पर्चियाँ बनानी है। बस अब सभी पर्चियों को इस तरह मोड़ लो कि उस पर लिखे नाम दिखाई न दें। इस खेल को दो-तीन या चार साथी एक साथ खेल सकते हैं। सभी को अपनी-अपनी 15 गोटियाँ भी रखनी होंगी।

सभी पर्चियों को इक्ट्ठा कर डालो और कोई एक पर्ची उठा लो। अब कोई ऐसा वाक्य बोलो जिसमें यह शब्द आए। अब पर्ची पर आया नाम चार्ट में ढूंढो और उस घर पर अपनी एक गोटी रख दो। यदि वाक्य नहीं बना पाए या गलत वाक्य बनाया तो घर पर गोटी नहीं रख सकते। एक चाँस गया। यह खेल तब तक चलेगा जब तक कि पूरी पर्चियाँ खत्म न हो जाएँ। जब पर्चियाँ खत्म हो जाए तब गिनकर देख लो किसे ज्यादा घर मिले। ज्यादा घर वाले को बड़ा घर और कम घर वाले को छोटा। इसे और भी कई तरीकों से खेल सकते हो। अपने गुरुजी/बहनजी से और आपस में बातचीत करके खेलो।

1. बिल्ली	2. चूहा	3. एक	4. दिन
20. नाम	21. गाँव	22. पूछा	5. कहा
19. मैं	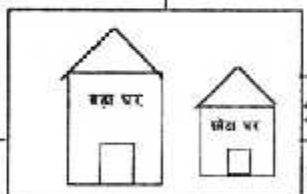		6. कहाँ
18. मित्र		23. थी	7. पहना
17. दिनभर		8. रखवाली	
16. दोस्त	13. बच्चे	12. बच्चों	9. शादी
15. कपड़े	14. अपने	11. गुस्सा	10. बचाकर

बिल्ली और चूहा नाम के दो मित्र रहते थे। एक दिन बिल्ली अपने गाँव जा रही थी। चूहा ने पूछा,तुम कहाँ जा रही हो? बिल्ली ने कहा, मैं अपने गाँव जा रही हूँ। चूहा ने कहा मुझे भी अपने साथ ले चलो। बिल्ली ने कहा, मैं नहीं ले जा सकती दोस्त। तुम मेरे घर की रखवाली करना।

बिल्ली चली गई। चूहा दिनभर घर की रखवाली करता रहा। एक दिन चूहा ने अपनी शादी कर ली। उसके दो बच्चे हुए। चूहा ने बिल्ली के कपड़े चुराकर अपने बच्चों को पहना दिए। एक दिन बिल्ली वापस आ रही थी तो उसने देखा कि उसके कपड़े चूहे के बच्चे पहनकर घूम रहे हैं। उसे बहुत गुस्सा आया। बिल्ली चूहे को मारने के लिए दौड़ी। चूहा अपनी जान बचाकर भागा। (प्रफुल्ल परसाई, 10 वर्ष)

- कहानी का नाम पूरा करो।
- इन शब्दों के वाक्य बनाकर कॉपी में लिखो। खरगोश, रखवाला, छोटी, दैतूल, मछली, बैलगाड़ी।

गुठली

मां ने आलूबुखारे खरीदे और सोचा कि दोपहर के खाने के बाद बच्चों को देगी। उसने उन्हें टोकरी में रख दिया। महेश ने आलू बुखारे कभी नहीं खाये थे और इसलिये वह उन्हें बार-बार सूंघता रहा। महेश को वे बहुत अच्छे लगे। उसका मन उन्हें खाने के लिए ललचाने लगा। वह लगातार आलूबुखारों के आसपास मंडराता रहा। जब कमरे में कोई नहीं था तो वह अपने को रोक न पाया। उसने एक आलूबुखारा उठाकर खा लिया। खाने के पहले मां ने आलूबुखारे गिने तो एक कम था। उसने बच्चों के पिता को बताया।

खाना खाते हुए पिता ने कहा- "बच्चों, क्या तुममें से किसी ने एक आलूबुखारा खाया है?" सभी ने कहा "नहीं"। महेश का चेहरा चुकन्दर की तरह लाल हो गया, मगर उसने भी यही उत्तर दिया- "नहीं" मैंने नहीं खाया।"

तब पिता ने कहा- "तुम में से किसी ने एक आलूबुखारा खा लिया है, यह बुरी बात है। मगर मुसीबत सिर्फ इतनी ही नहीं है। असली मुसीबत तो यह है कि आलूबुखारों में गुठलियां होती हैं। अगर किसी को उसे खाने का ढंग न आता हो और गुठली निगल जाये तो वह अगले दिन मर जाता है। मुझे बस इसी बात का डर है।"

महेश के चेहरे का रंग उड़ गया और उसने कहा- "नहीं, गुठली तो मैंने खिड़की से बाहर फेंक दी थी"।

सभी हंस दिये, मगर महेश रो पड़ा।

आलूबुखारा एक फल है। इसका रंग गहरा लाल होता है। नींबू जितना बड़ा यह फल खट्टा-मीठा होता है।

इन प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखो

1. मां, बच्चों को आलूबुखारे कब देने वाली थी?
2. "बच्चों, क्या तुम में से किसी ने एक आलूबुखारा खाया है?" ये किसने पूछा?
3. महेश ने आलूबुखारा खाकर गुठली का क्या किया?
4. सभी हंस रहे थे.पर महेश क्यों रो रहा था?

5. सही/गलत के निशान लगाओ :

- मां ने महेश को आलूबुखारा खाते हुए देख लिया।
- महेश ने आलूबुखारा खाया।
- महेश ने गुठली जेब में रख ली थी।
- आलूबुखारे थैली में रखे थे।

6. सही शब्द चुन कर खाली-स्थान भरो :

(क) महेश ने आलूबुखारे ---------- खाये थे।

- एक बार
- कभी नहीं
- पके हुए
- काटकर

(ख) महेश ने आलूबुखारों को ---------।

- काटा
- छीला
- सूंघा
- फांक की

(ग) जब कमरे में ---------था तो महेश अपने को रोक न पाया।

- सब
- पिताजी
- मां
- कोई नहीं

(घ) महेश का चेहरा ---------- की तरह लाल हो गया।

- गुलाब
- टमाटर
- चुकन्दर
- गाजर

(च) पिताजी ने कहा " ---------- "।

- आलूबुखारा मीठा है।
- आलूबुखारा कल खायेंगे।
- आलूबुखारा कच्चा है।
- तुम में से किसी एक ने एक आलूबुखारा खा लिया है, यह बुरी बात है।

(छ) महेश के चेहरे का रंग ---------- गया।

- लाल हो
- उड़
- पीला हो
- काला हो

7. अलग छांटकर अपनी कॉपी में लिखो। जिनमें गुठलीं/ बीज होते हैं/ नहीं होते।

आम, केला, जामुन, अंगूर, संतरा, बेर, सिंघारा, बिही, सेब, तरबूजा, खरबूजा, खजूर।

बीज	गुठली	होती/नहीं होती